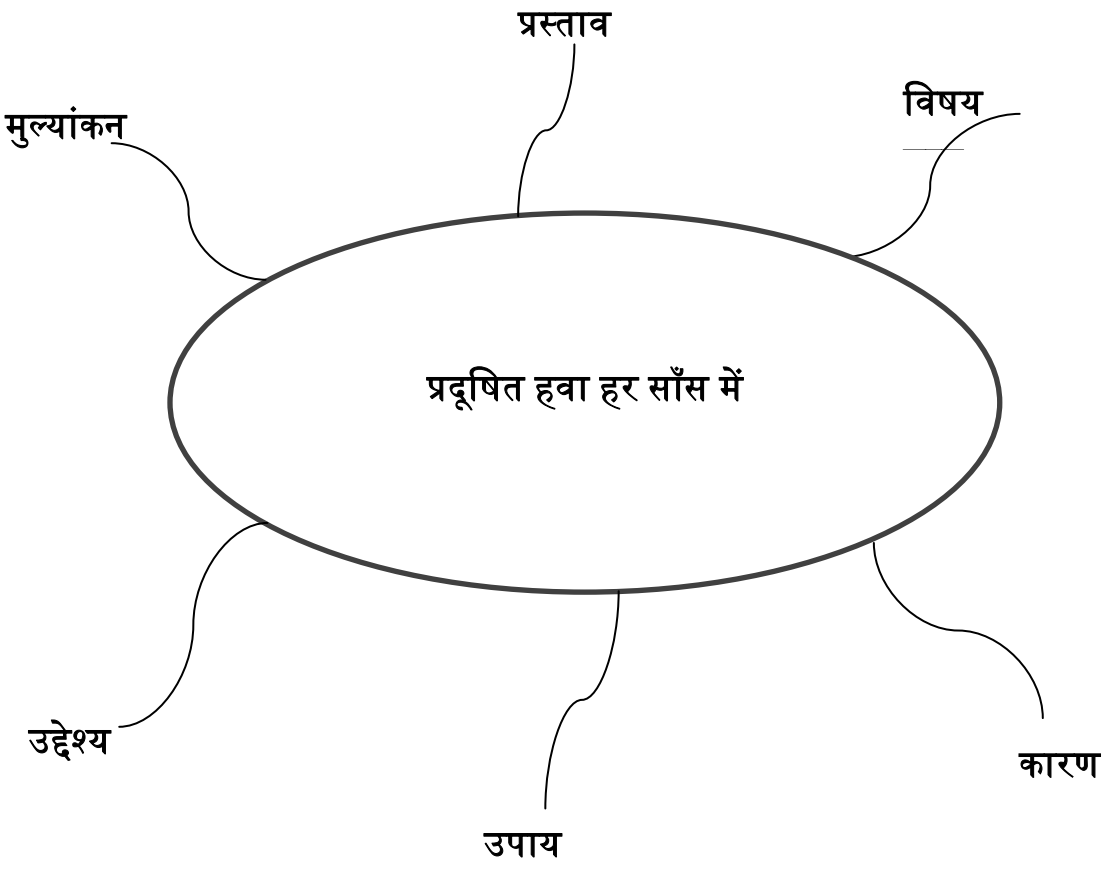
प्रस्ताव
विषय
मुल्यांकन
प्रदूषित हवा हर साँस में
उद्देश्य
उपाय
कारण

प्रदूषित हवा हर साँस में

रचनाकार : एम.मणिवासकम

Template - 1

प्रस्तावना

बच्चो चलो आज हम एक खेल खेलते है-सभी बच्चे अपनी नाक पकड़कर साँस रोककर बैठे जाएँ,देखे तो कौन अपनी साँस अधिक समय तक रोक सकता है|

क्या .....हुआ.....दम घुट रहा था ना !

बच्चों हमारे लिए पानी-अन्न से अधिक महत्वपूर्ण है हवा ! और देखो तो हम इस अत्यावश्यक वस्तु का किस प्रकार दुरुपयोग कर रहे है –

Pl. insert some pictures related to pollution specially air pollution over here.

हवा के प्रदूषण के लिए सबसे प्रथम गाडियों का धुआँ जिम्मेदार और साथ ही जिम्मेदार है फॅक्टरी का धुआँ ।

Template – 2

भोपाल गैस दुर्घटना

सन् 1984 को भोपाल में एक भयानक गैस दुर्घटना हुई थी । इस दुर्घटना ने सिर्फ (?) 4000 लोगों की जाने लीं। इस गैस के दुष्परिणामों को भोपाल की आनेवाली पीढिंयों ने भी सहन किया ।

There are some good clips about the subject on you tube. Pl. insert any one of them.

Template – 3

बच्चो, प्रस्तुत पाठ में लेखक एम. मणिवासकम मूल रुप से वायु प्रदुषण के बारें में दो स्तरों पर बात करते है –

१) वायु प्रदूषण के कारण
२) वायु प्रदूषण रोकने के उपाय

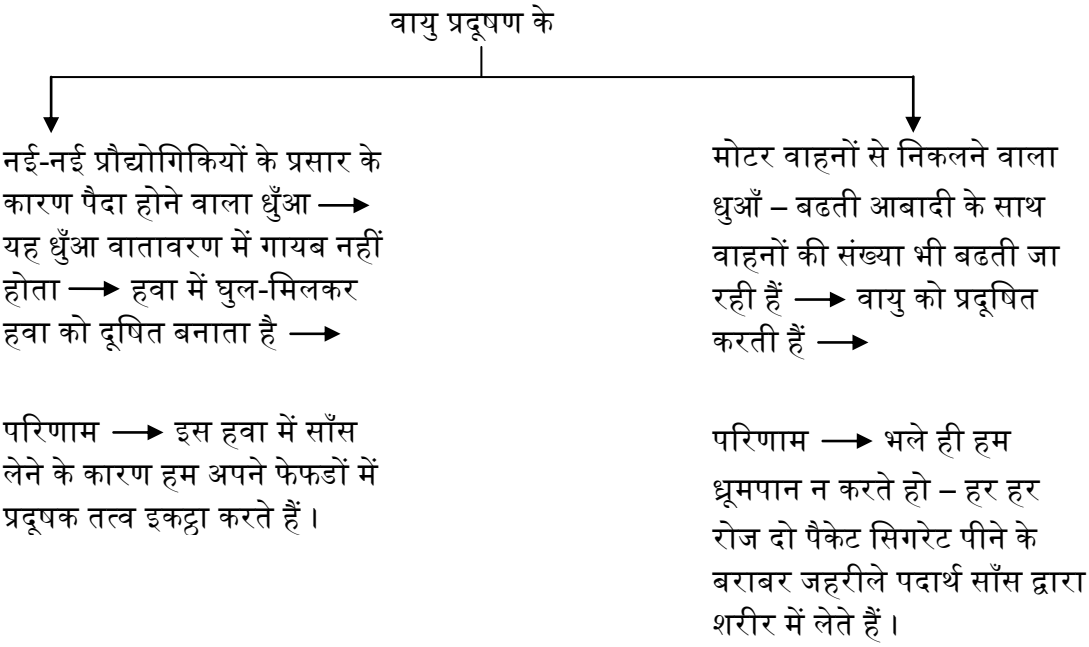

वायु प्रदूषण के

नई-नई प्रौद्योगिकियों के प्रसार के कारण पैदा होने वाला धुँआ → यह धुँआ वातावरण में गायब नहीं होता → हवा में घुल-मिलकर हवा को दूषित बनाता है →

परिणाम → इस हवा में साँस लेने के कारण हम अपने फेफडों में प्रदूषक तत्व इकट्ठा करते हैं ।

मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ – बढती आबादी के साथ वाहनों की संख्या भी बढती जा रही हैं → वायु को प्रदूषित करती हैं →

परिणाम → भले ही हम धूमपान न करते हो – हर हर रोज दो पैकेट सिगरेट पीने के बराबर जहरीले पदार्थ साँस द्वारा शरीर में लेते हैं ।

वायु प्रदूषण कम करने के उपाय

- अच्छे उपकरणों का निर्माण तथा उनका उचित उपयोग
- जलने के क्रिया अधुरी नहीं होनी चाहिए – संपूर्ण रुप से जलने पर ही विषैली कार्बन मोनोऑक्साइड हानिरहित कार्बन डाईऑक्साइड में बदली जा सकती है।.
- ईंधन और हवा का सही अनुपात (प्रमाण) → अर्थात संपूर्ण दहन प्रक्रिया – जैसे कोयले की अपेक्षा उसका चूरा बनाकर जलाना अधिक लाभकारक है।
- प्रदूषण रोकने वाले उपकरणों का उपयोग – अरेस्टर्स, स्क्रबर और फिल्टर लगाना अनिवार्य करना चाहिए । इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर की राख उत्पन्न करने वाली फैक्ट्ररियों केये संयंत्र लगना आवश्यक है।.

अन्य उपाय

- उद्योगों को मानव आबादी से दूर रखना → जैसे बिजलीघर, उर्वरक संयंत्र, सीमेंट और पीडानाशी बनानेवाले उद्योग जो घन धुँआ और जहरीले गैसें छोडते हैं।
- अधिक से अधिक पेड लगाने की आवश्यकता – पेडों में कार्बन डाईआक्साइड अवशोषित करने की क्षमता होती है ।.

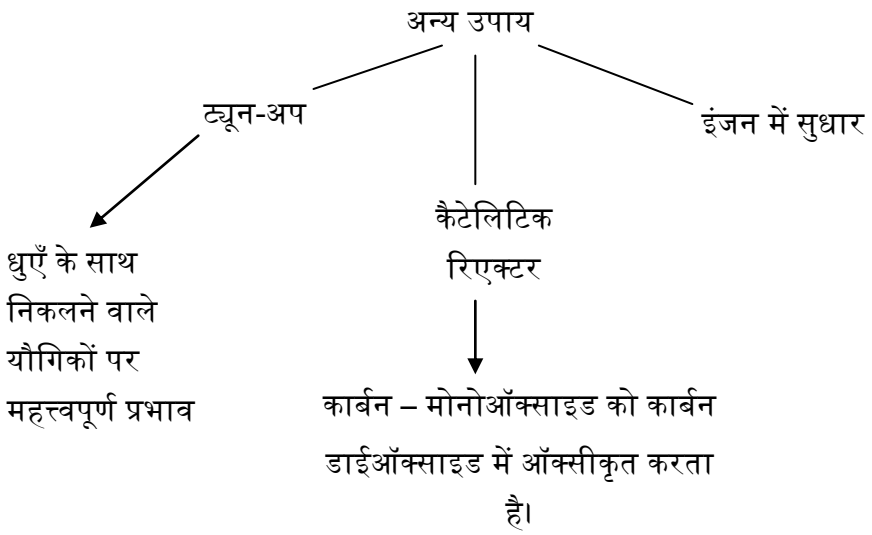

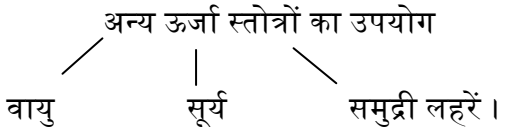

<u>उद्देश्य</u>

बच्चो, आज हम जिस वातावरण में रहते हैं उस वातावरण के चलते शायद कुछ सालों बाद हमारी पृथ्वी रहने लायक भी नहीं रहेगी, और उस समय हम सोंचेगे कि हमने वक्त रहते कुछ क्यों नही किया।

हम समस्या का कारण जानते हैं और उपाय भी जानते हैं, कमी है सिर्फ कृतिशीलता की। ...

इन उपायों का अगर हम आज और अभी से पालन शुरु करें तो शायद हम हमारे ग्रह को बचा सकते हैं।

मूल्यांकन

१) ग्रेटर कोलकाता में वाहनों से कितने टन प्रदूषित पदार्थ वातावरण में छोडे जाते हैं –

- १००, टन
- १५०० टन
- २०० टन
- ५० टन

२) जलन प्रक्रिया का कौन नियम महत्वपूर्ण है?
- जलन प्रक्रिया पूर्ण हो
- जलन प्रक्रिया पूर्ण न हो
- अधूरी ही रहे
- अंशतः पूर्ण हो।

३) घन धुआँ पैदा करने वाले उद्योग कहाँ लगाए जाए ?
- शहर में
- मानवआबादी से दूर
- गाँव में
- तालाब के किनारे

४) ट्यून-अप का कहाँ प्रभाव पडता है ?
- हवा पर
- यौगिकों पर
- पानी पर
- वाहनों पर

५) इंजन में सुधार क्यों आवश्यक है ?
६) हम अपने स्तर पर वायु-प्रदूषण रोकने के लिए और क्या कर सकते हैं ?

प्रकल्प

१) 'ग्लोबल वार्मिंग के परिणाम' इस विषय पर कक्षा में परिसंवाद का आयोजन करें।

२) Survey करें – आप के आस-पास रहने वाले कितने लोगो के पास गाडियाँ हैं ? उनकी गाडियों का औसत क्या है ? वे गाडियों का Servicing कब-कब करवाते हैं ? क्या पहियों में हवा के दबाव को जाँचते हैं? PUC किया है या नहीं ?

अपनें निरीक्षणों को सहपाठियों को बताएँ तथा अपना निष्कर्ष भी बताएँ।